Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 03-03-2005

Participants : Malhotra Prof. Vijay Kumar

LOK SABHA DEBATES

LOK SABHA

———

Thursday, March 3, 2005/Phalguna 12, 1926 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

(MR. SPEAKER in the Chair)

Title: Regarding Government formation in the State of Jharkhand.

…(Interruptions)

MR. SPEAKER: I request the hon. Leader of the Opposition to please advise hon. Members belonging to his party not to show newspapers.

…(Interruptions)

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : अध्यक्ष जी, दूसरी तरफ से वे दिखा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : मैं उन से भी कहूंगा। मैं सब से कहूंगा।

MR. SPEAKER: The hon. Members on this side also should not do that.

…(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : मैं सब से कहता हूं।

… (Interruptions)

MR. SPEAKER: I am not choosy. Please do not show newspapers.

…(Interruptions)

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : अध्यक्ष जी, वे अभी भी न्यूज़ पेपर्स दिखा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : न्यूज़ पैपर नहीं चाहिये, क्वैश्चन चाहिये, थोड़ा कुछ तो फौलो कीजिये। आप बैठिये।

Do not advise me please. मल्होत्रा जी, आप बोलिये।

…(Interruptions)

MR. SPEAKER: Everybody is advising the Chair.

…(Interruptions)

MR. SPEAKER: Why are you creating problem? I have called him. Please take your seat.

…(Interruptions)

|ÉÉä. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष जी, कल झारखंड में जो कुछ हुआ, वह हिन्दुस्तान के इतिहास में जनतन्त्र का सब से काला दिन था। वहां जनतंत्र की हत्या हुई है। वहां बिना मैजौरिटी के एक ऐसे आदमी को मुख्य मंत्री पद की शपथ दिला दी गई जिस पर उस राज्य में हत्या का मुकदमा चल रहा है।

अध्यक्ष जी, वहां जनतंत्र की हत्या हुई है, जनतंत्र का बलात्कार हुआ है। जिस तरीके से *

MR. SPEAKER: Please do not refer the Governor's name.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Okay.

अध्यक्ष जी, जिस तरीके से यह काम वहां के राज्यपाल ने किया है..*

MR. SPEAKER: This will not go on record.

*…(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Show it to me.

|ÉÉä. विजय कुमार मल्होत्रा : * वहां जनतंत्र की हत्या की गई है। अध्यक्ष जी, जनतंत्र के साथ इस तरह की तानाशाही, हिटलरशाही की तानाशाही, फासिज़्म करने वालों की तानाशाही...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: The House stands adjourned till 11.30 a.m.

11.03 hrs

The Lok Sabha then adjourned till thirty minutes

past Eleven of the Clock.

_____

*Not Recorded.

The Lok Sabha reassembled at Thirty minutes past Eleven

of the Clock.

11.30 hrs.

(Shri Devendra Prasad Yadav in the Chair)

...(व्यवधान)

|ÉÉä. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : सभापति महोदय, इस तरह हाउस चलाने का कोई अर्थ नहीं है, यहां पर बहस कराने का कोई अर्थ नहीं है। वहां पर लोकतंत्र की हत्या हो रही है ह्न(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप सभी अपने आसन ग्रहण करें ।

(व्यवधान)

11.31 hrs.

(At this stage, Shri Ashok Pradhan and some other hon.

Members came and stood on the floor near the Table)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोज़ाबाद) : सभापति महोदय, हमें भी बोलने का मौका दीजिए।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप अपनी सीट से बोलिये।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप अपना स्थान ग्रहण करें।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप यह क्या कर रहे हैं?

...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : The House stands adjourned to meet again on 4th March, 2005 at 11 a.m.

11.32 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Friday, March, 4, 2005/Phalguna 13, 1926 (Saka).